चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	**24.08.2020**	**02**	**07-08**

EDUCATION NOTES

WEBINAR ON DIVERSITY IN AGRICULTURE

Hisar: Agriculture and Farmers' Welfare Minister JP Dalal said diversification in agriculture was the key to improving economic conditions of farmers. He stated this while addressing agriculture scientists and farmers in an online webinar organised by the Forestry Department, College of Agriculture, HAU, here. The theme of the webinar was 'Diversity in Agriculture: Innovative Program for Improving Livelihoods of Farmers'. He appreciated the farmers for making significant contribution to the nation's food grain storage amid the prevailing pandemic conditions. In all 1,517 farmers and agricultural scientists had registered for the webinar. Vice-Chancellor Prof Samar Singh said, "Integrated pest and crop residue management and adoption of agrobiodiversity were the ways to mitigate climate change, attain ecosystem stability and for sustainable production.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Top Story (Online)	**23.08.2020**	--	--

Agricultural diversity is the key to improve the economic condition of the farmers : Minister Dalal

Jag Mohan Thaken

Chandigarh: Agriculture and Farmers' Welfare Minister, Haryana , J.P. Dalal stated that diversification in agriculture is the key tool for improving the economic conditions of the farmers of the country. As a chief guest, he was addressing the Agriculture Scientists and the farmers in an online webinar organized by the Forestry Department of the College of Agriculture, CCSHAU,Hisar. The theme of the webinar was 'Diversity in Agriculture: Innovative Program for Improving Livelihoods of Farmers'. He appreciated the farmers that in the prevailing COVID-19 pandemic, the farmers made significant contribution in the storage of food grains in the country.

He further emphasized that crop diversification, seeds of improved varieties, advanced technology developed by the university will increase their income. Today, the farmers need to increase the fertility status of the land with the adoption of organic farming, crop residue management, integrated pest and fertilizer management, water conservation, reducing the expenditure in farming by using natural resources. Through this, farmers can become employers instead of seeking employment. He was of the opinion that there is urgent need for involvement of maximum number of agricultural entrepreneurs and progressive farmers in such programs so that farmers can be benefited in the present scenario. He also stressed that not only the university scientists use the new and advanced agricultural techniques obtained from the abroad but also it should be easily available for the benefits of the farmers of the country. In the webinar 1517 farmers and agricultural scientists registered themselves.

On this occasion Vice-Chancellor of the University Prof. Samar Singh warmly welcomed the Agriculture and farmers' welfare minister, Govt. of Haryana, Sh. J.P.Dalal. Prof. Samar Singh told that in future for the eco-system stability, mitigating the climate changes and for the sustainable production in different agriculture crops can be achieved by adopting agri-biodiversity, integrated pest and crop residue management and through natural resource conservation. From this not only the agriculture productivity of the farms will increase but also improve the soil health, flora and fauna of the earth. He further emphasized that in future for the development of high yielding and disease resistant varieties of different agriculture crops there is a vital need for germplasm conservation of crops, fruits, vegetables and tree spices. This will help in food and nutrients security for the increasing global population at an alarming rate.

Agencies

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22.08.2020	02	05-06

देशभर के कृषि विवि में प्रथम स्थान पाने पर सीएम ने ट्वीट कर एचएयू के अधिकारियों को दी बधाई

भास्कर न्यूज| हिसार

देशभर के कृषि विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सीएम ने भी एचएयू हिसार के अधिकारियों को बधाई दी है। इस सम्बन्ध में ट्वीट किया। एचएयू के कुलपति ने कहा कि स्टाफ की मेहनत से ही यह सम्भव हो सका है। विवि ने भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंट्स में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया था। सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयों के सभी विश्वविद्यालयों की श्रेणी में देशभर में तीसरा स्थान मिला है। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह का कहना है कि सीएम के हौसला अफजाई के लिए धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	**22.08.2020**	**02**	**01**

एचएयू के एबिक सेंटर में 26 अगस्त से 2 सितंबर तक होगा वेबिनार

हिसार | एचएयू में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में बिना मिट्टी पौधे तैयार करने की तकनीक पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि ऑनलाइन वेबिनार कार्यक्रम 26 अगस्त से शुरू होगा और 2 सितंबर तक चलेगा। उन्होंने बताया कि वेबिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के कुशल नेतृत्व में किया जा रहा है। नोडल अधिकारी ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर के इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को बिजनेस मैन, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	22.08.2020	03	07-08

बिना मिट्टी पौधे उगाने की तकनीक पर होगा मंथन

हिसार, 21 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में बिना मिट्टी पौधे तैयार करने की तकनीक पर ऑनलाइन वैबिनार का आयोजन किया जाएगा। एबिक सैंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि ऑनलाइन वैबिनार कार्यक्रम का आयोजन 26 अगस्त से शुरू होगा और 2 सितम्बर तक चलेगा।

एबिक सैंटर में 2 सितम्बर तक चलेगा ऑनलाइन कार्यक्रम

एबिक सैंटर की नोडल अधिकारी ने बताया कि वैबिनार का प्रथम चरण 26 अगस्त से शुरू होगा, जिसमें बिना मिट्टी के पौधे तैयार करने की तकनीकों की विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जाएगी। इसमें पहले से ही स्थापित औद्योगिक इकाइयों के विशेषज्ञों द्वारा इस तकनीक के माध्यम से पौधे तैयार कर उनके उत्पादन से लेकर बाजारीकरण तक की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा प्रतिभागियों को इस संबंध में कोई इकाई स्थापित करने या फिर समुह बनाने में आने वाली कानूनी अड़चनों के बारे में भी विस्तार से समझाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 28 व 29 को कार्यक्रम में खाद्यान्न व्यापार, संसाधित खाद्य व मार्कीटिंग की जानकारी दी जाएगी। इसी प्रकार 1 व 2 सितम्बर को एक्सपर्ट द्वारा बताया जाएगा कि किस प्रकार कॉर्पोरेट सोशल रिस्पोंसिबिलिटी के तहत किसी कंपनी या औद्योगिक इकाई से आर्थिक सहायता प्राप्त की जा सकती है। इस दौरान इसकी पूरी प्रक्रिया को समझाया जाएगा। ये सारे कार्यक्रम एबिक सैंटर के अधिकारियों की देखरेख में कराए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	**22.08.2020**	**01**	**02**

बिना मिट्टी पौधे उगाने की तकनीक बताएगी एचएयू 26 से शुरू होगा वेबिनार

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में बिना मिट्टी पौधे तैयार करने की तकनीक पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया जाएगा।

केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि ऑनलाइन वेबिनार कार्यक्रम का आयोजन 26 अगस्त से 2 सितंबर तक चलेगा। कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी सेंटर की ई-मेल पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। चयनित प्रतिभागियों की ई-मेल या मोबाइल पर वेबिनार का लिंक भेज दिया जाएगा। वेबिनार में शामिल होने की प्रक्रिया निःशुल्क होगी। वेबिनार का प्रथम चरण 26 अगस्त से शुरू होगा, जिसमें पहले से ही स्थापित औद्योगिक इकाइयों के विशेषज्ञ इस तकनीक के माध्यम से पौधे तैयार कर उनके उत्पादन से लेकर बाजारीकरण तक की पूरी प्रक्रिया की जानकारी देंगे। 28 व 29 को कार्यक्रम में खाद्यान्न व्यापार, संसाधित खाद्य व मार्केटिंग की जानकारी दी जाएगी। 1 व 2 सितंबर को बताया जाएगा कि किस प्रकार कारपोरेट सामाजिक दायित्व के तहत किसी कंपनी या औद्योगिक इकाई से आर्थिक सहायता प्राप्त की जा सकती है। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	22.08.2020	01	01-05

कार्रवाई सोलर ग्रीन हाउस में कंपनी के पक्ष में काम पूरा होने से पहले ही भुगतान करने के लगे हैं आरोप, 15 दिन में देनी होगी रिपोर्ट

एचएयू के सोलर ग्रीन हाउस प्रकरण में कुलपति ने बैठाई जांच

जागरण प्रभाव

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सोलर ग्रीन हाउस प्रकरण मामले में बड़ा फैसला लिया गया है। इस मामले में कुलपति प्रो. समर सिंह ने जांच बैठा दी है। जांच कमेटी के अध्यक्ष मानव संसाधन निदेशालय के हेड डा. एमएस सिद्धपुरिया को बनाया गया है, तो सदस्य के तौर पर नवीन जैन, फैकल्टी एडवाइजर डा. राम निवास को शामिल किया गया है। कमेटी को 15 दिनों में जांच करनी होगी। इस मामले में नियमों में गड़बड़ी को लेकर पहले ही दैनिक जागरण ने मुख्य रूप से प्रकाशित किया था।

एचएयू में ग्रीन हाउस के निर्माण में गोलमाल, कम काम का ज्यादा भुगतान ले कंपनी फरार

दैनिक जागरण के 11 अगस्त के अंक में प्रकाशित समाचार।

विश्वविद्यालय में सोलर ग्रीन हाउस का ढांचा। ● जागरण आर्काइव

यह है सोलर ग्रीन हाउस प्रकरण

दरअसल एचएयू में ग्लोबल टेंडर के जरिए देश का पहला सोलर सिस्टम आधारित ग्रीन हाउस प्लांट का निर्माण 12 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा था। इस प्लांट का काम 5 जुलाई तक पूरा हो जाना चाहिए था। इस काम को एस्ट्रोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को पूरा कराना था। मगर यह काम तय समय से पूरा ही नहीं हुआ। इस पर लगभग 20 फीसद ही काम हुआ है यानि प्रोजेक्ट का ढांचा ही खड़ा किया गया है।

निर्माण का ध्यान रखने के लिए बनाई कमेटी पर उठ रहे हैं सवाल

हैरानी की बात है कि जिस कमेटी को निगरानी की जिम्मेदारी दी गई थी, उन्होंने नियमों को बिना देखे काम पूरा होने से पहले ही कंपनी के हक में छह करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान करा दिया। इस मामले की एचएयू के कुलपति को शिकायत भी की गई है। हालांकि इसमें कुछ अधिकारी ऐसे भी हैं जिन्होंने इस भुगतान का पहली और दूसरी बार विरोध भी किया है। अब जांच के बाद ही साफ हो सकेगा कि आखिर किस कारण से प्रोजेक्ट में देरी हुई और इस मामले में किसने लापरवाही की। इस प्रोजेक्ट के सामने आ जाने से एचएयू और लुवास दोनों में ही चर्चाओं का बाजार गर्म है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	23.08.2020	04	06-08

अन्नदाता की आर्थिक स्थिति सुधारने को कृषि विविधिकरण जरूरी : जेपी

ऑनलाइन किसानों रूबरू हुए कृषि मंत्री जेपी दलाल, आमदनी बढ़ाने के दिए सुझाव

भास्कर न्यूज | हिसार

देश के अन्नदाता किसान की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि में विविधिकरण जरूरी है। जब देश का किसान खुशहाल, आत्मनिर्भर और समृद्ध होगा तभी देश प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। उक्त विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने व्यक्त किए।

वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि में विविधिकरण व नई तकनीकों को लेकर आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया गया था, जिसका विषय 'कृषि में विविधता : किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम' था। बेबिनार के संयोजक कृषि वानिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.एस. ढिल्लो रहे।

उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे विदेशों से प्राप्त की गई नई व उन्नत कृषि तकनीकों को अपने देश में अधिक से अधिक प्रयोग में लाएं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक एवं कर्मचारी बधाई के पात्र हैं, जिनकी कठिन मेहनत व टीम भावना की बदौलत चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी अटल रैंकिंग में कृषि विश्वविद्यालयों की श्रेणी में देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

एचएयू द्वारा आयोजित वेबिनार के दौरान प्रतिभागियों को बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते प्रदेश के कृषि मंत्री जेपी दलाल। वेबिनार में मौजूद कुलपति व अन्य।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कृषि मंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि वे किसानों की हर समस्या के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। कार्यक्रम में प्रबंधन मंडल की सदस्य सुदेश चौधरी, विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. विनोद बत्तरा, एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी, मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन लाल खिचड़, सेवानिवृत्त प्रोफेसर कुलबीर सिंह बांगरवा, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के पूर्व निदेशक डॉ. बी.एस. बैनिवाल, डॉ. सुनील कुमार ढांडा, प्रगतिशील किसान फुलकुमार सहित कई वरिष्ठ वैज्ञानिक व कई प्रगतिशील किसान भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	23.08.2020	04	02-03

किसान जागरूक होकर भूमि सुधार में दें योगदान

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि में कृषि में विविधिकरण व नई तकनीकों को लेकर वेबिनार आयोजित हुआ। इसमें कृषि मंत्री जेपी दलाल बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कृषि मंत्री ने कहा कि किसान की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि में विविधिकरण जरूरी है। आज किसान को जागरूक होने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि किसान जैविक खेती, फसल अवशेष प्रबंधन, समन्वित कीट एवं उर्वरक प्रबंधन, जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर भूमि की उर्वरता शक्ति को भी बढ़ा सकते हैं। वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया गया था। इसके संयोजक कृषि वानिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. आरएस ढिल्लो तो समन्यवक डा. विरेंद्र दलाल रहे।

कार्यक्रम में 1517 किसानों व कृषि वैज्ञानिकों ने पंजीकरण करवाया था। कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि विवि के वैज्ञानिक एवं कर्मचारी बधाई के पात्र हैं, जिनकी कठिन मेहनत व टीम भावना की बदौलत अटल रैंकिंग में सर्वोच्च स्थान मिला। किसानों की घटती जोत से बेहतर तकनीकों और कृषि विविधिकरण द्वारा अधिकाधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। इस ऑनलाइन किसान-कृषि वैज्ञानिक संवाद का मुख्य उद्देश्य भी किसानों के लिए कृषि विविधिकरण व उन्नत तकनीकों के माध्यम से उनकी आमदनी को बढ़ाने को लेकर है। घटती जोत के कारण किसान की आर्थिक स्थिति चिंतनीय होती जा रही है, ऐसे में केवल कृषि विविधिकरण द्वारा ही इस समस्या निजात संभव है।

जेपी दलाल • जागरण आर्काइव

एचएयू में कृषि में विविधिकरण व नई तकनीकों को लेकर वेबिनार, कृषि मंत्री जेपी दलाल थे मुख्य अतिथि

यह रहे मौजूद

कार्यक्रम में प्रबंधन मंडल की सदस्य सुदेश चौधरी, विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डा. विनोद बतरा, मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. मदन लाल खिचड़ आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	23.08.2020	04	01-06

किसान विविधिकरण अपनाएं, फसल के मिलेंगे बेहतर दाम मंडी से बाहर अधिक दाम मिले तो वहां बेचें फसल : कृषि मंत्री

एचएयू में हुआ राज्यस्तरीय वेबिनार का आयोजन, कृषि मंत्री जेपी दलाल ने दिए आमदनी बढ़ाने के सुझाव

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। आर्थिक दशा सुधारने के लिए किसान कृषि विविधिकरण को अपनाएं। किसानों को उनकी फसल को लेकर किसी तरह की समस्या नहीं आने दी जाएगी। गन्नौर में बागवानी, गुरुग्राम में फूल, कालका-पिंजौर में सेब और सोनीपत में मसाला मंडी तैयार की जाएगी। इस प्रकार किसान अपनी किसी भी तरह की फसल को प्रदेश में अच्छे दामों पर बेच सकेगा। अगर किसान मंडी के बाहर भी अपनी फसल अधिक दाम में बेचना चाहे, तो वह बेच सकेगा।

यह बात प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने कही। वह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में 'कृषि में विविधता : किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम' विषय पर आयोजित वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया गया था। बेबिनार के संयोजक कृषि वानिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. आरएस ढिल्लो और समन्यवक डॉ. विरेंद्र दलाल ने बताया कि कार्यक्रम में 1517 किसानों व कृषि वैज्ञानिकों ने पंजीकरण करवाया था।

प्रतिभागियों को संबोधित करते कृषि मंत्री जेपी दलाल, कुलपति व अन्य अधिकारी।

घटती जोत का समाधान केवल कृषि विविधिकरण

कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि किसानों की घटती जोत से बेहतर तकनीकों और कृषि विविधिकरण द्वारा उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। कृषि जैव विविधता, खाद्य और पोषण सुरक्षा प्राप्त करने का महत्वपूर्ण संसाधन है। एक तरफ परंपरागत खेती और दूसरी ओर घटती जोत के कारण किसान की आर्थिक स्थिति चिंतनीय होती जा रही है, ऐसे में कृषि विविधिकरण से इस समस्या से निजात संभव है।

काबली कीकर को कहीं भी न उगने दें किसान

सेवानिवृत्त प्रो. कुलबीर सिंह बांगरवा ने किसानों को खेतों में पोपलर के अलावा रोहेड़ा, कीकर, नीम, जांडी, शीशम आदि पेड़ लगाकर वानिकी से कृषि आय बढ़ाने के मंत्र बताए। उन्होंने कहा कि ब्राजील से आई काबली कीकर को किसान कहीं भी न उगने दें। यह दूसरे पेड़-पौधों को नहीं बढ़ने देती और स्वयं फैलती जाती है। इससे विविधिकरण को भी खतरा रहता है।

मौसम की जानकारी के बाद भी मंडियों में भीगता है गेहूं : विवि के मौसम विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खिचड़ ने कहा कि विवि द्वारा आठ लाख किसानों को मौसम की जानकारी दी जाती है। इससे स्प्रे व सिंचाई का खर्च बचता है। मगर बाद में मंडी में बारिश के कारण किसानों का अनाज भीग जाता है, जबकि उन्हें भी यह सूचना भेजी जाती है, लेकिन इसके बावजूद कोई प्रबंध नहीं किए जाते।

ये रहे कार्यक्रम में मौजूद

वेबिनार में प्रबंधन मंडल की सदस्य सुदेश चौधरी, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. विनोद बतरा, एब्रिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी, प्रगतिशील किसान फूलकुमार सहित कई वैज्ञानिक व प्रगतिशील किसानों ने हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	23.08.2020	04	01-05

IV www.punjabkesari.in हिसार केसरी

अन्नदाता की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि विविधीकरण जरूरी: दलाल

कृषि मंत्री किसानों से हुए ऑनलाइन रू-ब-रू

हिसार, 22 अगस्त (ब्यूरो): देश के अन्नदाता किसान की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि में विविधीकरण जरूरी है। जब देश का किसान खुशहाल, आत्मनिर्भर और समृद्ध होगा तभी देश प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। उक्त विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल ने व्यक्त किए। वह चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि में विविधीकरण व नई तकनीकों को लेकर आयोजित ऑनलाइन वैबिनार में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। वैबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया गया था जिसका विषय 'कृषि में विविधता: किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम था। इस वैबिनार के संयोजक कृषि वानिकी के विभागाध्यक्ष डा. आर.एस. ढिल्लों थे। कार्यक्रम के समन्वयक डा. विरेंद्र दलाल ने बताया कि कार्यक्रम में 1517 किसानों व कृषि वैज्ञानिकों ने पंजीकरण करवाया था।

कृषि मंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी की इस संकट की घड़ी में प्रदेश के अन्नदाता ने केन्द्रीय पूल में रिकार्ड उत्पादन जमा करके देश के अनाज भंडारण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। किसान समय की मांग को देखते हुए फसल विविधीकरण, कृषि व इससे जुड़े व्यवसाय, उन्नत किस्मों के बीज, विश्वविद्यालय की विकसित आधुनिक तकनीक अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। आज किसान को जागरूक होने की जरूरत है और किसान जैविक खेती, फसल अवशेष प्रबन्धन, समन्वित कीट एवं उर्वरक प्रबन्धन, जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर खेती में खर्च को कम करने के साथ-साथ भूमि की उर्वरा शक्ति को भी बढ़ा सकते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे विदेशों से प्राप्त की गई नई व उन्नत कृषि तकनीकों को अपने देश में अधिक से अधिक प्रयोग में लाएं।

घटती जोत में कृषि विविधीकरण ही है समाधान: कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर समर सिंह ने कहा कि किसानों की घटती जोत से बेहतर तकनीकों और कृषि विविधीकरण द्वारा अधिकाधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। आज के इस ऑनलाइन किसान-कृषि वैज्ञानिक संवाद का मुख्य उद्देश्य भी किसानों के लिए कृषि विविधीकरण व उन्नत तकनीकों के माध्यम से उनकी आमदनी को बढ़ाने को लेकर है जिसके लिए केंद्र व राज्य सरकार भी निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि कृषि जैव विविधता, खाद्य और पोषण सुरक्षा प्राप्त करने का महत्वपूर्ण संसाधन है। एक तरफ परंपरागत खेती ओर दूसरी ओर घटती जोत के कारण किसान की आर्थिक स्थिति चिंतनीय होती जा रही है, ऐसे में केवल कृषि विविधीकरण द्वारा ही इस समस्या से निजात संभव है और किसान की आर्थिक स्थिति मंजबूत हो सकती है। कुलपति ने कहा कि जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए

वैबिनार के दौरान प्रतिभागियों को बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते प्रदेश के कृषि मंत्री जे.पी. दलाल, वैबिनार में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति व अन्य अधिकारी।

विश्वविद्यालय में पंडित दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना की गई है। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारियों व वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिकों द्वारा जैविक खेती, कृषि विविधीकरण, कृषि वानिकी, फल व सब्जी उत्पादन और मौसम संबंधित विषयों पर किसानों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रबंधन मंडल की सदस्य सुदेश चौधरी, विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आर.एस. हुड्डा, प्रोजैक्ट डायरैक्टर डा. विनोद बत्तरा, एबिक सैंटर की नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी, मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. मदन लाल खिचड़, सेवानिवृत्त प्रोफैसर कुलबीर सिंह बांगरवा, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के पूर्व निदेशक डा. बी.एस. दैनिवाल, डा. सुनील कुमार ढांडा, प्रगतिशील किसान फुल कुमार सहित कई वरिष्ठ वैज्ञानिक व कई प्रगतिशील किसान भी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	23.07.2020	05	01-04

हकृवि में वेबिनार

किसान की स्थिति सुधारने के लिए कृषि विविधीकरण जरूरी : दलाल

हिसार, 22 अगस्त (निस)

कृषि में विविधिकरण और नयी तकनीकों को लेकर हकृवि में आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने कृषि में विविधीकरण को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि जब देश का किसान खुशहाल, आत्मनिर्भर और समृद्ध होगा तभी देश प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा।

कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार का विषय 'कृषि में विविधताः किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम' था। इसके संयोजक कृषि वानिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. आरएस ढिल्लो थे। वेबिनार के लिए 1517 किसानों और कृषि वैज्ञानिकों ने पंजीकरण करवाया था।

दलाल ने कहा कि कोरोना महामारी की इस संकट की घड़ी में प्रदेश के अन्नदाता ने केन्द्रीय पूल में रिकार्ड उत्पादन जमा करके देश के अनाज भंडारण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। किसान समय की मांग को देखते हुए फसल विविधिकरण, कृषि व इससे जुड़े व्यवसाय, उन्नत किस्मों के बीज, विश्वविद्यालय की विकसित आधुनिक तकनीक अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं।

कुलपति प्रो. समर सिंह ने कृषि मंत्री को विश्वास दिलाया कि प्रदेश का विश्वविद्यालय व कृषि वैज्ञानिक किसानों की हर समस्या के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। कृषि मंत्री की मेहनत और किसान हितैषी सोच का ही परिणाम है कि जब पिछले दिनों हरियाणा में टिड्डी दल के आक्रमण हुआ तो उन्होंने स्वयं कमान संभालते हुए किसानों के बीच रहकर इसका बेहतर तरीके से नियंत्रण किया।

वेबिनार में प्रबंधन मंडल सदस्य सुदेश चौधरी, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. विनोद बत्तरा, एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी आदि मौजद थे।

हिसार में शनिवार को वेबिनार के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते कृषि मंत्री जेपी दलाल, वीसी प्रो. समर सिंह और अन्य अधिकारी। -निस

सीमेंट पाइप लाइन बिछाने का विरोध धरना जारी, महापंचायत कल

भिवानी में माइनर में पाइप डालने के विरोध में धरने पर बैठे किसान। -हप्र

भिवानी (हप्र) : निगाना फीडर से ढाणीमाहू माइनर में सीमेंट की पाइप लाइन बिछाने का आधा दर्जन गांव के लोगों ने विरोध किया। आलमपुर-दुल्हेड़ी मार्ग पर लोग धरना दे रहे हैं। धरने की अध्यक्षता नरेश कुमार ने की। माइनर में पाइप लाइन बिछाने के विरोध में 24 अगस्त को महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। गांव आलमपुर, दुल्हेड़ी, सुंगरपुर, लक्ष्मणपुरा, खरकड़ी, ढाणी स्यामियान, निगाना, संडवा, सरल,थिलोड़, खरकड़ी माखवान व सोहान, पटौदी के निवासी समेत सैकड़ों लोग पहुंचे और किसानों को समर्थन दिया। किसानों का कहना है कि माइनर के पानी से वह अपना और अपने मवेशियों को पिलाकर गुजारा कर रहे हैं। यदि माइनर में सीमेंट की पाइपलाइन डाली जाती है तो इसके आसपास लगे ट्यूबवेलों का पानी पूरी तरह से खराब हो जाएगा और माइनर के आसपास निवास कर रहे लोगों का रहना मुश्किल हो जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	24.08.2020	04	01-02

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

प्रो. समर सिंह

कपास की बीमारियां और उनका निदान

नरमा में अब तीन-चार तरह की बीमारियां हैं, जिन्होंने कई जगहों पर अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। किसान मौसम का ध्यान रखते हुए निदान अपनाएं। सबसे पहले हम बात करते हैं सूटी मोल्ड डिजिज़ की यानी पत्तों का काला पड़ना। अगर ऐसा हो तो किसान 600 ग्राम कोपरोक्सी क्लोराइड (ब्लाइटोक्स) और 6 ग्राम स्ट्रेपो साइक्लीन का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ छिड़काव करें।

प्रो. समर सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति के पद पर कार्यरत हैं।

इसके बाद टिंडा गलन भी मुख्य बीमारी है। कपास में फल आना शुरू हो गया है और टिंडा गलने लगता है। अगर यह बीमारी आए तो किसान भाई दो ग्राम कोपरोक्सी क्लोराइड का घोल प्रति लीटर बनाकर उसका स्प्रे करें। तीसरी बीमारी है पेराविल्ट यानी पौधा सूखना। यह रेतीले क्षेत्रों में ज्यादा होती है। यह बीमारी दिखे तो किसान तुरंत 48 घंटे के भीतर 2 ग्राम कोबाल्ट क्लोराइड का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर स्प्रे करें। इसके बाद इस मौसम में सफेद मक्खी कपास की फसल के लिए बड़ी घातक साबित होती है। किसान इसके लिए 200 लीटर पानी में 250 ग्राम स्पाइरो मेसीसेनस (ओबेरॉन) का छिड़काव कर दें।

प्रस्तुति : संदीप बिश्नोई, हिसार

सवाल भेजें | (व्हाट्सएप नंबर) 7617566173
roh-cityreporter@roh.amarujala.com

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**21.08.2020**	--	--

हकृवि में 26 से 2 सितंबर तक चलेगा ऑनलाइन कार्यक्रम

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नॉबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में बिना मिट्टी पौधे तैयार करने की तकनीक पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि ऑनलाइन वेबिनार कार्यक्रम का आयोजन 26 अगस्त से शुरू होगा और 2 सितंबर तक चलेगा। उन्होंने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के कुशल नेतृत्व, दुरगामी व सकारात्मक सोच के तहत किया जा रहा है। नोडल अधिकारी ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर के इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को बिजनेस मैन, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छूक जैसे युवा, स्टार्टअप्स, किसान, गृहिणी व विद्यार्थी आदि एबिक सेंटर की ई-मेल abiccc-shau@gmail.com पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**21.08.2020**	--	--

हकृवि में स्थापित एबिक सेंटर में 26 अगस्त से 2 सितंबर तक चलेगा ऑनलाइन कार्यक्रम

बिना मिट्टी पौधे उगाने की तकनीकों पर होगा मंथन

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में बिना मिट्टी पौधे तैयार करने की तकनीक पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि ऑनलाइन वेबिनार कार्यक्रम का आयोजन 26 अगस्त से शुरू होगा और 2 सितंबर तक चलेगा। उन्होंने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के कुशल नेतृत्व, दुरगामी व सकारात्मक सोच के तहत किया जा रहा है।

नोडल अधिकारी ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर के इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को बिजनेस मैन, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक जैसे युवा, स्टार्टअप्स, किसान, गृहिणी व विद्यार्थी आदि एबिक सेंटर की ई-मेल abicccshau@gmail.com पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। उसके बाद एबिक सेंटर अधिकारियों द्वारा उनका चयन किया जाएगा और उन्हें ई-मेल या मोबाइल पर वेबिनार का लिंक भेज दिया जाएगा। वेबिनार में शामिल होने की प्रक्रिया निःशुल्क होगी। सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफीकेट प्रदान किए जाएंगे।

ये होगा मुख्य कार्यक्रम

एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी ने बताया कि वेबिनार का प्रथम चरण 26 अगस्त से शुरू होगा, जिसमें बिना मिट्टी के पौधे तैयार करने की तकनीकों की विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जाएगी। इसमें पहले से ही स्थापित औद्योगिक इकाइयों के विशेषज्ञों द्वारा इस तकनीक के माध्यम से पौधे तैयार कर उनके उत्पादन से लेकर बाजारीकरण तक की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा प्रतिभागियों को इस संबंध में कोई इकाई स्थापित करने या फिर समुह बनाने में आने वाली कानूनी अड़चनों के बारे में भी विस्तार से समझाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 28 व 29 को कार्यक्रम में खाद्यान्न व्यापार, संसाधित खद्य व मार्केटिंग की जानकारी दी जाएगी।

इसी प्रकार 1 व 2 सितंबर को एक्सपर्ट द्वारा बताया जाएगा कि किस प्रकार कोर्पोरेट सोशल रिसपोंसिबिलिटी के तहत किसी कंपनी या औद्योगिक इकाई से आर्थिक सहायता प्राप्त की जा सकती है। इस दौरान इसकी पूरी प्रक्रिया को समझाया जाएगा। ये सारे कार्यक्रम एबिक सेंटर के अधिकारियों की देखरेख में कराए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाइम्स	**21.08.2020**	--	--

बिना मिट्टी पौधे उगाने की तकनीकों पर होगा मंथन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर में 26 अगस्त से 2 सितंबर तक चलेगा ऑनलाइन कार्यक्रम

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में बिना मिट्टी पौधे तैयार करने की तकनीक पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि ऑनलाइन

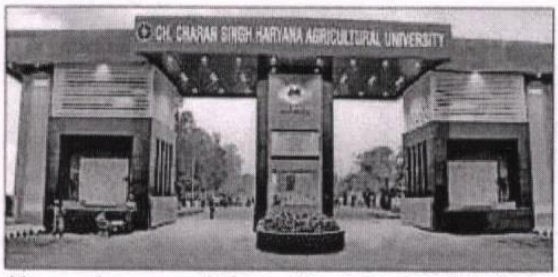

वेबिनार कार्यक्रम का आयोजन 26 अगस्त से शुरू होगा और 2 सितंबर तक चलेगा। उन्होंने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के कुशल नेतृत्व, दुरगामी व सकारात्मक सोच के तहत किया जा रहा है। नोडल अधिकारी ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर के इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को बिजनेस मैन, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक जैसे युवा, स्टार्टअप्स, किसान, गृहिणी व विद्यार्थी आदि एबिक सेंटर की ई-मेल पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। उसके बाद एबिक सेंटर अधिकारियों द्वारा उनका चयन किया जाएगा और उन्हें ई-मेल या मोबाइल पर वेबिनार का लिंक भेज दिया जाएगा। निःशुल्क होगी। सभी प्रतिभागियों को ई-वेबिनार में शामिल होने की प्रक्रिया सर्टिफीकेट प्रदान किए जाएंगे।

यह होगा मुख्य कार्यक्रम

एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी ने बताया कि वेबिनार का प्रथम चरण 26 अगस्त से शुरू होगा, जिसमें बिना मिट्टी के पौधे तैयार करने की तकनीकों की विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जाएगी। इसमें पहले से ही स्थापित औद्योगिक इकाइयों के विशेषज्ञों द्वारा इस तकनीक के माध्यम से पौधे तैयार कर उनके उत्पादन से लेकर बाजारीकरण तक की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा प्रतिभागियों को इस संबंध में कोई इकाई स्थापित करने या फिर समूह बनाने में आने वाली कानूनी अड़चनों के बारे में भी विस्तार से समझाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 28 व 29 को कार्यक्रम में खाद्यान्न व्यापार, संसाधित खाद्य व मार्केटिंग की जानकारी दी जाएगी। इसी प्रकार 1 व 2 सितंबर को एक्सपर्ट द्वारा बताया जाएगा कि किस प्रकार कॉर्पोरेट सोशल रिसपॉंसिबिलिटी के तहत किसी कंपनी या औद्योगिक इकाई से आर्थिक सहायता प्राप्त की जा सकती है। इस दौरान इसकी पूरी प्रक्रिया को समझाया जाएगा। ये सारे कार्यक्रम एबिक सेंटर के अधिकारियों की देखरेख में कराए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	**21.08.2020**	--	--

सार समाचार

बिना मिट्टी पौधे उगाने की तकनीकों पर होगा मंथन

पल पल न्यूजः हिसार, 21 अगस्त। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में बिना मिट्टी पौधे तैयार करने की तकनीक पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि ऑनलाइन वेबिनार कार्यक्रम का आयोजन 26 अगस्त से शुरू होगा और 2 सितंबर तक चलेगा। उन्होंने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के कुशल नेतृत्व, दुरगामी व सकारात्मक सोच के तहत किया जा रहा है। नोडल अधिकारी ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर के इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को बिजनेस मैन, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी ने बताया कि वेबिनार का प्रथम चरण 26 अगस्त से शुरू होगा, जिसमें बिना मिट्टी के पौधे तैयार करने की तकनीकों की विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जाएगी। इसमें पहले से ही स्थापित औद्योगिक इकाइयों के विशेषज्ञों द्वारा इस तकनीक के माध्यम से पौधे तैयार कर उनके उत्पादन से लेकर बाजारीकरण तक की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	**21.08.2020**	--	--

बिना मिट्टी पौधे उगाने की तकनीकों पर होगा मंथन

▪ एचएयू में स्थापित एबिक सेंटर में 26 अगस्त से 2 सितंबर तक चलेगा ऑनलाइन कार्यक्रम

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में बिना मिट्टी पौधे तैयार करने की तकनीक पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि ऑनलाइन वेबिनार कार्यक्रम का आयोजन 26 अगस्त से शुरू होगा और 2 सितंबर तक चलेगा। उन्होंने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के कुशल नेतृत्व, दुरगामी व सकारात्मक सोच के तहत किया जा रहा है। नोडल अधिकारी ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर के इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को बिजनेस मैन, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छूक जैसे युवा, स्टार्टअप्स, किसान, गृहिणी व विद्यार्थी आदि एबिक सेंटर की ई-मेल abicccshau@gmail.com पर अपना पंजीकरण करवा सकते है। उसके बाद एबिक सेंटर अधिकारियों द्वारा उनका चयन किया जाएगा और उन्हें ई-मेल या मोबाइल पर वेबिनार का लिंक भेज दिया जाएगा। वेबिनार में शामिल होने की प्रक्रिया निःशुल्क होगी। सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफीकेट प्रदान किए जाएंगे।

ये होगा मुख्य कार्यक्रम

एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी ने बताया कि वेबिनार का प्रथम चरण 26 अगस्त से शुरू होगा, जिसमें बिना मिट्टी के पौधे तैयार करने की तकनीकों की विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जाएगी। इसमें पहले से ही स्थापित औद्योगिक इकाइयों के विशेषज्ञों द्वारा इस तकनीक के माध्यम से पौधे तैयार कर उनके उत्पादन से लेकर बाजारीकरण तक की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा प्रतिभागियों को इस संबंध में कोई इकाई स्थापित करने या फिर समुह बनाने में आने वाली कानूनी अड़चनों के बारे में भी विस्तार से समझाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 28 व 29 को कार्यक्रम में खाद्यान्न व्यापार, संसाधित खद्य व मार्केटिंग की जानकारी दी जाएगी। इसी प्रकार 1 व 2 सितंबर को एक्सपर्ट द्वारा बताया जाएगा कि किस प्रकार कोर्पोरेट सोशल रिसपोंसिबिलिटी के तहत किसी कंपनी या औद्योगिक इकाई से आर्थिक सहायता प्राप्त की जा सकती है। इस दौरान इसकी पूरी प्रक्रिया को समझाया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समर घोष, सिरसा	**21.08.2020**	--	--

बिना मिट्टी पौधे उगाने की तकनीकों पर होगा मंथन

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में बिना मिट्टी पौधे तैयार करने की तकनीक पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया जाएगा। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि ऑनलाइन वेबिनार कार्यक्रम 26 अगस्त से शुरू होगा और 2 सितंबर तक चलेगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर के इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को बिजनेसमैन, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक एबिक सेंटर की ई-मेल पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। उसके बाद एबिक सेंटर अधिकारियों द्वारा उनका चयन किया जाएगा और उन्हें ई-मेल या मोबाइल पर वेबिनार का लिंक भेज दिया जाएगा। वेबिनार में शामिल होने की प्रक्रिया निःशुल्क होगी। सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफीकेट प्रदान किए जाएंगे। नोडल अधिकारी के मुताबिक वेबिनार का प्रथम चरण 26 अगस्त से शुरू होगा, जिसमें बिना मिट्टी के पौधे तैयार करने की तकनीकों की विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जाएगी। इसमें पहले से ही स्थापित औद्योगिक इकाइयों के विशेषज्ञों द्वारा इस तकनीक के माध्यम से पौधे तैयार कर उनके उत्पादन से लेकर बाजारीकरण तक की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा प्रतिभागियों को इस संबंध में कोई इकाई स्थापित करने या फिर समूह बनाने में आने वाली कानूनी अड़चनों के बारे में भी विस्तार से समझाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 28 व 29 को कार्यक्रम में खाद्यान्न व्यापार व मार्केटिंग की जानकारी दी जाएगी। इसी प्रकार 1 व 2 सितंबर को एक्सपर्ट द्वारा बताया जाएगा कि किस प्रकार कोर्पोरेट सोशल रिस्पॉसिबिलिटी के तहत किसी कंपनी या औद्योगिक इकाई से आर्थिक सहायता प्राप्त की जा सकती है। इस दौरान इसकी पूरी प्रक्रिया को समझाया जाएगा। ये सारे कार्यक्रम एबिक सेंटर के अधिकारियों की देखरेख में कराए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी, नई दिल्ली	22.08.2020	--	--

अन्नदाता की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि विविधिकरण जरूरी : जेपी दलाल

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी) : देश के अन्नदाता किसान की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि में विविधिकरण जरूरी है। जब देश का किसान खुशहाल, आत्मनिर्भर और समृद्ध होगा तभी देश प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। उक्त विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि में विविधिकरण व नई तकनीकों को लेकर आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया गया था, जिसका विषय 'कृषि में विविधता : किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम' था। इस वेबिनार के संयोजक कृषि वानिकी के विभागाध्यक्ष डा. आरएस ढिल्लो थे। कार्यक्रम के समन्यवक डा. विरेंद्र दलाल ने बताया कि कार्यक्रम में 1517 किसानों व कृषि वैज्ञानिकों ने पंजीकरण करवाया था। कृषि मंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी की इस संकट की घड़ी में प्रदेश के अन्नदाता ने केन्द्रीय पूल में रिकार्ड उत्पादन जमा करके देश के अनाज भंडारण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज किसान को जागरूक होने की जरूरत है और किसान जैविक खेती, फसल अवशेष प्रबन्धन, समन्वित कीट एवं उर्वरक प्रबन्धन, जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर खेती में खर्च को कम करने के साथ-साथ भूमि की उर्वरता शक्ति को भी बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से किसान

- **कृषि मंत्री जेपी दलाल किसानों से हुए ऑनलाइन रूबरू**

रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि इस तरह के कार्यक्रमों में कृषि से जुड़े उद्यमियों व प्रगतिशील किसानों को अधिक से अधिक शामिल किया जाए ताकि किसान उनसे प्रेरणा लें और उनके अनुभव का लाभ उठा सकें। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे विदेशों से प्राप्त की गई नई व उन्नत कृषि तकनीकों को अपने देश में अधिक से अधिक प्रयोग में लाएं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कृषि मंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि वे किसानों की हर समस्या के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। कुलपति ने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों व पशुपालकों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। इनमें पशु किसान केडिट कार्ड योजना मुख्य है। कार्यक्रम में प्रबंधन मंडल की सदस्य सुदेश चौधरी, विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एस के सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आर.एस. हुड्डा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डा. विनोद बत्तरा, एविक सेंटर की नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी, मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. मदन लाल खिचड़, प्रगतिशील किसान फुल कुमार सहित कई वरिष्ठ वैज्ञानिक व कई प्रगतिशील किसान भी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा टाइम्स	22.08.2020	--	--

अन्नदाता की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि विविधिकरण ज़रूरी : जेपी दलाल

हिसार : वेबिनार के दौरान प्रतिभागियों को बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते प्रदेश के कृषि मंत्री जेपी दलाल, वेबिनार में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति व अन्य अधिकारी। (छाया : राज पराशर)

हिसार, 22 अगस्त (राज पराशर) : देश के अन्नदाता किसान की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि में विविधिकरण जरूरी है। जब देश का किसान खुशहाल, आत्मनिर्भर और समृद्ध होगा तभी देश प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। उक्त विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि में विविधिकरण व नई तकनीकों को लेकर आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया गया था, जिसका विषय 'कृषि में विविधता : किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम' था। इस बेबिनार के संयोजक कृषि वानिकी के विभागाध्यक्ष डा. आरएस ढिल्लो थे। कार्यक्रम के समन्यवक डा. विरेंद्र दलाल ने बताया कि कार्यक्रम में 1517 किसानों व कृषि वैज्ञानिकों ने पंजीकरण करवाया था। कृषि मंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी की इस संकट की घड़ी में प्रदेश के अन्नदाता ने केन्द्रीय पूल में रिकार्ड उत्पादन जमा करके देश के अनाज भंडारण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कार्यक्रम में प्रबंधन मंडल की सदस्य सुदेश चौधरी, विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एस के सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आर.एस. हुड्डा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डा. विनोद बत्तरा, एविक सेंटर की नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी, मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. मदन लाल खिचड़, प्रगतिशील किसान फुल कुमार सहित कई वरिष्ठ वैज्ञानिक व कई प्रगतिशील किसान भी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार न्यूज	**22.08.2020**	--	--

अन्नदाता की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि विविधिकरण जरूरी : जे.पी. दलाल

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : देश के अन्नदाता किसान की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि में विविधिकरण जरूरी है। जब देश का किसान खुशहाल, आत्मनिर्भर और समृद्ध होगा तभी देश प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। उक्त विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री जे.पी. दलाल ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि में विविधिकरण व नई तकनीकों को लेकर आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया गया था, जिसका विषय 'कृषि में विविधता : किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम' था। इस

बेबिनार के संयोजक कृषि वानिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.एस. ढिल्लो थे। कार्यक्रम के समन्यवक डॉ. विरेंद्र दलाल ने बताया कि कार्यक्रम में 1517 किसानों व कृषि वैज्ञानिकों ने पंजीकरण करवाया था। कृषि मंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी की इस संकट की घड़ी में प्रदेश के अन्नदाता ने केन्द्रीय पूल में रिकार्ड उत्पादन जमा करके देश के अनाज भंडारण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। किसान समय की मांग को देखते हुए फसल विविधिकरण, कृषि व इससे जुड़े व्यवसाय, उन्नत किस्मों के बीज, विश्वविद्यालय की विकसित आधुनिक तकनीक अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। आज किसान को जागरूक होने की जरूरत है और किसान जैविक खेती, फसल अवशेष प्रबन्धन, समन्वित कीट एवं उर्वरक प्रबन्धन, जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर खेती में खर्च को कम करने के साथ-साथ भूमि की उर्वरता शक्ति को भी बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से किसान रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं।

कृषि मंत्री जे.पी. दलाल किसानों से हुए ऑनलाइन रूबरू, कृषि विविधकरण से बताए आमदनी बढ़ाने के सुझाव

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	22.08.2020	--	--

अन्नदाता की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि विविधिकरण जरुरी: जेपी दलाल

कहा: कोरोना महामारी की इस संकट की घड़ी में प्रदेश के अन्नदाता ने केन्द्रीय पूल में रिकार्ड उत्पादन जमा करके देश के अनाज भंडारण में महत्वपूर्ण योगदान दिया

पल पल न्यूज: हिसार, 22 अगस्त। देश के अन्नदाता किसान की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि में विविधिकरण जरूरी है। जब देश का किसान खुशहाल, आत्मनिर्भर और समृद्ध होगा तभी देश प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। उक्त विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि में विविधिकरण व नई तकनीकों को लेकर आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया गया था, जिसका विषय 'कृषि में विविधता = किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम' था। इस बेबिनार के संयोजक कृषि वानिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.एस. ढिल्लो थे। कार्यक्रम के समन्यवक डॉ. विरेंद्र दलाल ने बताया कि कार्यक्रम में 1517 किसानों व कृषि वैज्ञानिकों ने पंजीकरण करवाया था। कृषि मंत्री ने कहा कि

कोरोना महामारी की इस संकट की घड़ी में प्रदेश के अन्नदाता ने केन्द्रीय पूल में रिकार्ड उत्पादन जमा करके देश के अनाज भंडारण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। किसान समय की मांग को देखते हुए फसल विविधिकरण, कृषि व इससे जुड़े व्यवसाय, उन्नत किस्मों के बीज, विश्वविद्यालय की विकसित आधुनिक तकनीक अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। आज किसान को जागरूक होने की जरूरत है और किसान जैविक खेती, फसल अवशेष प्रबन्धन, समन्वित कीट एवं उर्वरक प्रबन्धन, जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर खेती में खर्च को कम करने के साथ-साथ भूमि की उर्वरता शक्ति को भी बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से किसान रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक एवं कर्मचारी बधाई के पात्र हैं, जिनकी कठिन मेहनत व टीम भावना की बदौलत चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी अटल रैंकिंग में कृषि विश्वविद्यालयों की श्रेणी में देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कृषि मंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि वे किसानों की हर समस्या के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री की मेहनत व किसान हितैषी सोच का ही परिणाम है कि जब पिछले दिनों हरियाणा में टिड्डी दल के आक्रमण हुआ तो उन्होंने स्वयं कमान संभालते हुए किसानों के बीच रहकर इसका बेहतर तरीके से नियंत्रण किया, जो बहुत ही काबिलेतारीफ है। कुलपति महोदय ने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों व पशुपालकों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। इनमें पशु किसान केडिट कार्ड योजना मुख्य है। कार्यक्रम में प्रबंधन मंडल की सदस्य सुदेश चौधरी, विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. विनोद बत्तरा सहित कई वरिष्ठ वैज्ञानिक व कई प्रगतिशील किसान भी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे न्यूज	22.08.2020	--	--

अन्नदाता की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि विविधिकरण जरूरी : दलाल

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, हरियाणा सरकार जेपी दलाल किसानों से हुए ऑनलाइन रूबरू, कृषि विविधकरण द्वारा बताए आमदनी बढ़ाने के सुझाव

टूडे न्यूज | हिसार

देश के अन्नदाता किसान की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि में विविधिकरण जरूरी है। जब देश का किसान खुशहाल, आत्मनिर्भर और समृद्ध होगा तभी देश प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। उक्त विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री जे.पी. दलाल ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि में विविधिकरण व नई तकनीकों को लेकर आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया गया था, जिसका विषय 'कृषि में विविधता : किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम' था। इस वेबिनार के संयोजक कृषि वानिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.एस. ढिल्लो थे। कार्यक्रम के समन्यवक डॉ. विरेंद्र दलाल ने बताया कि कार्यक्रम में 1517 किसानों व कृषि वैज्ञानिकों ने पंजीकरण करवाया था। कृषि मंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी की इस संकट की घड़ी में प्रदेश के अन्नदाता ने केन्द्रीय पूल में रिकार्ड उत्पादन जमा करके देश के अनाज भंडारण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। किसान समय की मांग को देखते हुए फसल विविधिकरण, कृषि व इससे जुड़े व्यवसाय, उन्नत किस्मों के बीज, विश्वविद्यालय की विकसित आधुनिक तकनीक अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। आज किसान को जागरूक होने की जरूरत है और किसान जैविक खेती, फसल अवशेष प्रबन्धन, समन्वित कीट एवं उर्वरक प्रबन्धन, जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर खेती में खर्च को कम करने के साथ-साथ भूमि की उर्वरता शक्ति को भी बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से किसान रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि इस तरह के कार्यक्रमों में कृषि से जुड़े उद्यमियों व प्रगतिशील किसानों को अधिक से अधिक शामिल किया जाए ताकि किसान उनसे प्रेरणा लें और उनके अनुभव का लाभ उठा सकें। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे विदेशों से प्राप्त की गई नई व उन्नत कृषि तकनीकों को अपने देश में अधिक से अधिक प्रयोग में लाएं।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक एवं कर्मचारी बधाई के पात्र हैं, जिनकी कठिन मेहनत व टीम भावना की बदौलत चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी अटल रैंकिंग में कृषि विश्वविद्यालयों की श्रेणी में देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इस विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने हरित क्रांति में उन्नत एवं अधिक उत्पादन देने वाली किस्में विकसित करके महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसी प्रकार श्वेत व नीली क्रांति में भी अहम भूमिका निभाई। किसान मार्केटिंग में निपुणता हासिल कर व किसान उत्पाद समूह गठित कर इसका लाभ उठा सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	22.08.2020	--	--

किसान का जागरूक होना जरूरी : दलाल

हिसार/22 अगस्त/रिपोर्टर

देश के अन्नदाता किसान की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि में विविधिकरण जरूरी है। जब देश का किसान खुशहाल, आत्मनिर्भर और समृद्ध होगा तभी देश प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। उक्त विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि में विविधिकरण व नई तकनीकों को लेकर आयोजित ऑनलाइन वैबिनार को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। वैबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया गया था, जिसका विषय 'कृषि में विविधता : किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम' था। कृषि मंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी की इस संकट की घड़ी में प्रदेश के अन्नदाता ने केन्द्रीय पुल में रिकार्ड उत्पादन जमा करके देश के अनाज भंडारण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। किसान समय की मांग को देखते हुए फसल विविधिकरण, कृषि व इससे जुड़े व्यवसाय, उन्नत किस्मों के बीज, विश्वविद्यालय की विकसित आधुनिक तकनीक अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। आज किसान को जागरूक होने की जरूरत है और किसान जैविक खेती, फसल अवशेष प्रबन्धन, समन्वित कीट एवं उर्वरक प्रबन्धन, जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर खेती में खर्च को कम करने के साथ-साथ भूमि की उर्वरता शक्ति को भी बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से किसान रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि इस तरह के कार्यक्रमों में कृषि से जुड़े उद्यमियों व प्रगतिशील किसानों को अधिक से अधिक शामिल किया जाए ताकि किसान उनसे प्रेरणा लें और उनके अनुभव का लाभ उठा सकें। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे विदेशों से प्राप्त की गई नई व उन्नत कृषि तकनीकों को अपने देश में अधिक से अधिक प्रयोग में लाएं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कृषि मंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि वे किसानों की हर समस्या के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री की मेहनत व किसान हितैषी सोच का ही परिणाम है कि जब पिछले दिनों हरियाणा में टिड्डी दल के आक्रमण हुआ तो उन्होंने स्वयं कमान संभालते हुए किसानों के बीच रहकर इसका बेहतर तरीके से नियंत्रण किया, जो बहुत ही काबिलेतारीफ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	22.08.2020	--	--

प्रदेश के कृषि मंत्री जेपी दलाल किसानों से हुए ऑनलाइन रूबरू, कृषि विविधकरण द्वारा बताए आमदनी बढ़ाने के सुझाव

अन्नदाता की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि विविधिकरण जरूरी : दलाल

पांच बजे न्यूज

हिसार।देश के अन्नदाता किसान की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि में विविधिकरण जरूरी है। जब देश का किसान खुशहाल, आत्मनिर्भर और समृद्ध होगा तभी देश प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। उक्त विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री जे.पी. दलाल ने व्यक्त किए।

वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि में विविधिकरण व नई तकनीकों को लेकर आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया गया था, जिसका विषय 'कृषि में विविधता : किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम' था। इस वेबिनार के संयोजक कृषि वानिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.एस. ढिल्लो थे। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. विरेंद्र दलाल ने बताया कि कार्यक्रम में 1517 किसानों व कृषि वैज्ञानिकों ने पंजीकरण करवाया था। कृषि मंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी की इस संकट की घड़ी में प्रदेश के अन्नदाता ने केन्द्रीय पूल में रिकार्ड उत्पादन जमा करके देश के अनाज भंडारण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। किसान समय की मांग को देखते हुए फसल विविधिकरण, कृषि व इससे जुड़े व्यवसाय, उन्नत किस्मों के बीज, विश्वविद्यालय की विकसित आधुनिक तकनीक अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते है। आज किसान को जागरूक होने की जरूरत है और किसान जैविक खेती, फसल अवशेष प्रबन्धन, समन्वित कीट एवं उर्वरक प्रबन्धन, जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर खेती में खर्च को कम करने के साथ-साथ भूमि की उर्वरता शक्ति को भी बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से किसान रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि इस तरह के कार्यक्रमों में कृषि से जुड़े उद्यमियों व प्रगतिशील किसानों को अधिक से अधिक शामिल किया जाए ताकि किसान उनसे प्रेरणा लें और उनके अनुभव का लाभ उठा सकें। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे विदेशों से प्राप्त की गई नई व उन्नत कृषि तकनीकों को अपने देश में अधिक से अधिक प्रयोग में लाएं।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक एवं कर्मचारी बधाई के पात्र हैं, जिनकी कठिन मेहनत व टीम भावना की बदौलत चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी अटल रैंकिंग में कृषि विश्वविद्यालयों की श्रेणी में देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इस विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने हरित क्रांति में उन्नत एवं अधिक उत्पादन देने वाली किस्में विकसित करके महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसी प्रकार श्वेत व नीली क्रांति में भी अहम भूमिका निभाई। किसान मार्केटिंग में निपुणता हासिल कर व किसान उत्पाद समूह गठित कर इसका लाभ उठा सकते है। हरियाणा सरकार इसके लिए निरंतर प्रयासरत है।

घटती जोत में कृषि विविधिकरण ही है समाधान : प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कृषि मंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि वे किसानों की हर समस्या के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री की मेहनत व किसान हितैषी सोच का ही परिणाम है कि जब पिछले दिनों हरियाणा में टिड्डी दल के आक्रमण हुआ तो उन्होंने स्वयं कमान संभालते हुए किसानों के बीच रहकर इसका बेहतर तरीके से नियंत्रण किया, जो बहुत ही काबिलेतारीफ है। कुलपति महोदय ने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों व पशुपालकों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की है। इनमें पशु किसान क्रेडिट कार्ड योजना मुख्य है। इसके अलावा फसल बीमा योजना को भी संशोधित करके किसान हितैषी बनाया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि किसानों की घटती जोत से बेहतर तकनीकों और कृषि विविधिकरण द्वारा अधिकाधिक उत्पादन् प्राप्त किया जा सकता है। आज के इस ऑनलाइन किसान-कृषि वैज्ञानिक संवाद का मुख्य उद्देश्य भी किसानों के लिए कृषि विविधिकरण व उन्नत तकनीकों के माध्यम से उनकी आमदनी को बढ़ाने को लेकर है, जिसके लिए केंद्र व राज्य सरकार भी निरंतर प्रयासरत हैं।

उन्होंने कहा कि कृषि जैव विविधता, खाद्य और पोषण सुरक्षा प्राप्त करने का महत्वपूर्ण संसाधन है। एक तरफ परंपरागत खेती और दूसरी ओर घटती जोत के कारण किसान की आर्थिक स्थिति चिंतनीय होती जा रही है, ऐसे में केवल कृषि विविधिकरण द्वारा ही इस समस्या निजात संभव है और किसान की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। खेती में विविधिकरण के द्वारा ही भूमि की उत्पादकता को बनाए रखा जा सकता है और जैव विविधता के आनुवांशिक ह्रास को रोका जा सकता है। इस प्रकार समृद्ध आनुवांशिक संसाधनों का उपयोग प्रजनन, जैव-तकनीकी हस्तक्षेपों और फसलों की विकसित किस्मों के माध्यम से जर्म प्लाज्म सुधार, उच्च उत्पादकता, बेहतर पोषण गुणवत्ता, जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन और जैविक व अजैविक तनावों के प्रति प्रतिरोधी बनाने के लिए किया जाता है। कृषि जैव विविधता को यदि संरक्षण के साथ-साथ निरंतर उपयोग किया जाए तो इससे खाद्य-सुरक्षा और कुपोषण की समस्याओं को हल करने की दिशा में महत्वपूर्ण परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। इस दिशा में विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत है। इसी के मद्देनजर जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में पंडित दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना की गई है। महिलाएं विश्वविद्यालय के प्रत्येक जिले में स्थापित कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से सिलाई-कढ़ाई, डेयरी फार्मिंग, फल व सब्जी इत्यादि को लेकर दिए जाने वाले प्रशिक्षण के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार स्थापित कर अपनी आजीविका चला सकती हैं। खेती से जुड़ी समस्याओं के निदान के लिए विश्वविद्यालय की निःशुल्क दूरभाष सेवा व मौसम से संबंधित जानकारी के लिए ई-मौसम के माध्यम से देश व प्रदेश के लाखों किसान लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर किसानों की आधुनिक खेती से जुड़ी समस्याओं को ध्यान में रखकर अपने शोध कार्य, अध्ययन कार्य व विस्तार शिक्षा के कार्यक्रमों में कार्य योजना बनाता है। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारियों व वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिकों द्वारा जैविक खेती, कृषि विविधिकरण, कृषि वानिकी, फल व सब्जी उत्पादन और मौसम संबंधित विषयों पर किसानों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

ये रहे कार्यक्रम में मौजूद

कार्यक्रम में प्रबंधन मंडल की सदस्य श्रीमति सुदेश चौधरी, विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. विनोद बतरा, एबिक सैंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी, मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन लाल खिचड़, सेवानिवृत्त प्रोफेसर कुलबीर सिंह बांगरवा, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के पूर्व निदेशक डॉ. बी.एस. बेनिवाल, डॉ. सुनील कुमार ढांडा, प्रगतिशील किसान फूलकुमार सहित कई वरिष्ठ वैज्ञानिक व कई प्रगतिशील किसान भी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	22.08.2020	--	--

अन्नदाता की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि विविधिकरण जरूरी : दलाल

कृषि मंत्री जेपी दलाल किसानों से हुए ऑनलाइन रुबरु, कृषि विविधकरण द्वारा बताए आमदनी बढ़ाने के सुझाव

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। देश के अन्नदाता किसान की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि में विविधिकरण जरूरी है। जब देश का किसान खुशहाल, आत्मनिर्भर और समृद्ध होगा तभी देश प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। उक्त विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि में विविधिकरण व नई तकनीकों को लेकर आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया गया था, जिसका विषय 'कृषि में विविधता किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम' था। इस बेबिनार के संयोजक कृषि वानिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.एस. ढिल्लो थे। कार्यक्रम के समन्यवक डॉ. विरेंद्र दलाल ने बताया कि कार्यक्रम में 1517 किसानों व कृषि वैज्ञानिकों ने पंजीकरण करवाया था। कृषि मंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी की इस संकट की घड़ी में प्रदेश के अन्नदाता ने केन्द्रीय पूल में रिकार्ड उत्पादन जमा करके देश के अनाज भंडारण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। किसान समय की मांग को देखते हुए फसल विविधिकरण, कृषि व इससे जुड़े व्यवसाय, उन्नत किस्मों के बीज, विश्वविद्यालय की विकसित आधुनिक तकनीक अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं।

आज किसान को जागरूक होने की जरूरत है और किसान जैविक खेती, फसल अवशेष प्रबन्धन, समन्वित कीट एवं उर्वरक प्रबन्धन, जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर खेती में खर्च को कम करने के साथ-साथ भूमि की उर्वरता शक्ति को भी बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से किसान रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि इस तरह के कार्यक्रमों में कृषि से जुड़े उद्यमियों व प्रगतिशील किसानों को अधिक से अधिक शामिल किया जाए ताकि किसान उनसे प्रेरणा लें और उनके अनुभव का लाभ उठा सकें। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे विदेशों से प्राप्त

घटती जोत में कृषि विविधिकरण ही है समाधान : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कृषि मंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि वे किसानों की हर समस्या के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री की मेहनत व किसान हितैषी सोच का ही परिणाम है कि जब पिछले दिनों हरियाणा में टिड्डी दल के आक्रमण हुआ तो उन्होंने स्वयं कमान संभालते हुए किसानों के बीच रहकर इसका बेहतर तरीके से नियंत्रण किया, जो बहुत ही काबिलेतारीफ है। कुलपति ने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों व पशुपालकों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। इनमें पशु किसान केडिट कार्ड योजना मुख्य है। इसके अलावा फसल बीमा योजना को भी संशोधित करके किसान हितैषी बनाया गया है। कुलपति ने कहा कि किसानों की घटती जोत से बेहतर तकनीकों और कृषि विविधिकरण द्वारा अधिकाधिक उत्पादन् प्राप्त किया जा सकता है। आज के इस ऑनलाइन किसान-कृषि वैज्ञानिक संवाद का मुख्य उद्देश्य भी किसानों के लिए कृषि विविधिकरण व उन्नत तकनीकों के माध्यम से उनकी आमदनी को बढ़ाने को लेकर है, जिसके लिए केंद्र व राज्य सरकार भी निरंतर प्रयासरत हैं।

यह रहे कार्यक्रम में मौजूद

कार्यक्रम में प्रबंधन मंडल की सदस्य सुदेश चौधरी, विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. विनोद बत्तरा, एविक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी, मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन लाल खिचड़, सेवानिवृत्त प्रोफेसर कुलबीर सिंह बांगरवा, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के पूर्व निदेशक डॉ. बी.एस. बैनिवाल, डॉ. सुनील कुमार ढांडा, प्रगतिशील किसान फुलकुमार सहित कई वरिष्ठ वैज्ञानिक व कई प्रगतिशील किसान भी मौजूद थे।

की गई नई व उन्नत कृषि तकनीकों जिनकी कठिन मेहनत व टीम को अपने देश में अधिक से अधिक भावना की बदौलत हकृवि को प्रयोग में लाएं। उन्होंने कहा कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर द्वारा जारी अटल रैंकिंग में कृषि सिंह, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक विश्वविद्यालयों की श्रेणी में देश में एवं कर्मचारी बधाई के पात्र हैं, प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	22.08.2020	--	--

वेबीनार किसानों से हुए ऑनलाइन रूबरू, कृषि विविधकरण द्वारा बताए आमदनी बढ़ाने के सुझाव

अन्नदाता की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि विविधिकरण जरूरी : जे.पी. दलाल

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। देश के अन्नदाता किसान की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि में विविधिकरण जरूरी है। जब देश का किसान खुशहाल, आत्मनिर्भर और समृद्ध होगा तभी देश प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। उक्त विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल ने व्यक्त किए। वे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि में विविधिकरण व नई तकनीकों को लेकर आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग द्वारा किया गया था, जिसका विषय 'कृषि में विविधता : किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम' था।

कृषि मंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी की इस संकट की घड़ी में प्रदेश के अन्नदाता ने केन्द्रीय पूल में रिकार्ड उत्पादन जमा करके देश के अनाज भंडारण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। किसान समय की मांग को देखते हुए

फसल विविधिकरण, कृषि व इससे जुड़े व्यवसाय, उन्नत किस्मों के बीज, विश्वविद्यालय की विकसित आधुनिक तकनीक अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। आज किसान को जागरूक होने की जरूरत है और किसान जैविक खेती, फसल अवशेष प्रबन्धन, समन्वित कीट एवं उर्वरक प्रबन्धन, जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर खेती में खर्च को कम करने के साथ-साथ भूमि की उर्वरता शक्ति को भी बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से किसान रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि इस तरह के कार्यक्रमों में कृषि से जुड़े उद्यमियों व प्रगतिशील किसानों को अधिक से अधिक शामिल किया जाए ताकि किसान उनसे प्रेरणा लें और उनके अनुभव का लाभ उठा सकें। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे विदेशों से प्राप्त की गई नई व उन्नत कृषि तकनीकों को अपने देश में अधिक से अधिक प्रयोग में लाएं।

किसानों की हर समस्या के लिए रहते हैं हमेशा तत्पर: प्रो. समर सिंह

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि वे किसानों की हर समस्या के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री की मेहनत व किसान हितैषी सोच का ही परिणाम है कि जब पिछले दिनों हरियाणा में टिड्डी दल के आक्रमण हुआ तो उन्होंने स्वयं कमान संभालते हुए किसानों के बीच रहकर इसका बेहतर तरीके से नियंत्रण किया, जो बहुत ही काबिलेतारीफ है। कुलपति महोदय ने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों व पशुपालकों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। इनमें पशु किसान क्रेडिट कार्ड योजना मुख्य है। इसके अलावा फसल बीमा योजना को भी संशोधित करके किसान हितैषी बनाया गया है।